Business Standard 13.3.12 Page-1

भारत में मित्सुबिशी की छोटी कार!

ऋषभ कृष्ण सक्सेना और शर्मिष्ठा मुखर्जी
नई दिल्ली, 12 मार्च

जापानी वाहन दिग्गज मित्सुबिशी मोटर कॉर्पोरेशन छोटी कार पर सवार होकर हमवतन निसान मोटर और सुजूकी मोटर को भारत में टक्कर देने जा रही है। भारत में छोटी कार 'मिराज' का निर्माण संयंत्र बनाने की उसकी योजना है, जिसके लिए वह 14 साल पुरानी साझेदार हिंदुस्तान मोटर (एचएम) से इतर अकेले भी बढ़ सकती है।

देश में हर साल बमुश्किल 4,000 कार बेचने वाली मित्सुबिशी के वाहन अभी तक एचएम के चेन्नई स्थित संयंत्र में ही तैयार होते हैं। वहां मित्सुबिशी की महंगी सिडैन लांसर और सीडिया तथा एसयूवी पजेरो, आउटलैंडर और मोंटेरो बनाई जाती हैं। लेकिन अब मित्सुबिशी चेन्नई में ही संयंत्र लगाने की सोच रही है और ऐंबेसडर बनाने वाली एचएम दूसरी वाहन कंपनियों के से बात कर रही है।

होगा विस्तार

- भारत को छोटी कार निर्माण का केंद्र बना सकती है मित्सुबिशी
- छोटी कार मिराज को भारतीय बाजार में लाने का है इरादा
- भारत में हिंदुस्तान मोटर्स के साथ है कंपनी का करार

मित्सुबिशी मोटर कॉर्पोरेशन के कार्यकारी अधिकारी और कॉर्पोरेट महाप्रबंधक मसाहिको युएकी ने बताया कि छोटी कारों के लिए बड़ी उत्पादन क्षमता की जरूरत है और महज 12,000 सालाना उत्पादन क्षमता वाला एचएम का कारखाना उनके लिए उपयुक्त नहीं है। इसलिए नया कारखाना लगाया जा सकता है।

युएकी ने कहा, 'थाईलैंड के संयंत्र में हम इसी साल अप्रैल से मराज का उत्पादन शुरू करने जा रहे हैं। भारत में दूसरे संयंत्र के लिए भी संभावना तलाशी जा रही है।' हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि भारतीय संयंत्र में कितना निवेश होगा, लेकिन थाईलैंड में सालाना 1 लाख कार क्षमता वाले संयंत्र पर करीब 2,400 करोड़ रुपये के निवेश की बात कही। उन्होंने बताया कि थाईलैंड के अलावा कंपनी के जापान, उत्तर अमेरिका, नीदरलैंड और फिलीपींस में 7 निर्माण संयंत्र हैं। हिंदुस्तान मोटर्स के साथ मिलकर छोटी कार लाने के सवाल पर उन्होंने कहा, 'जब भी हम छोटी कार लाएंगे तो एचएम के बगैर अपने दम पर बाजार में उतरना भी हमारे विकल्पों में शामिल है। पता नहीं कि एचएम के साथ साझेदारी भावी योजनाओं के लिए सही है या नहीं। इसलिए हम सभी विकल्प टटोल रहे हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि भारत से छोटी कारों का निर्यात भी किया जा सकता है।

उधर एचएम के निदेशक ए शंकर नारायणन ने भी मित्सुबिशी के अलावा अन्य कंपनियों के साथ साझेदारी में दिलचस्पी के संकेत दिए। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, 'कई कंपनियां हमसे गठबंधन के लिए बात कर रही हैं। इसमें कोई एतराज नहीं है और जैसे ही अच्छा मौका हाथ लगेगा, हम सही कंपनी के साथ हाथ मिला लेंगे।'

संबंधित समाचार : पृष्ठ 3